University in News on 02 June 2021

HINDUSTAN PAGE 6

एलयू: पीजी में दाखिले के लिए आवेदन 58 प्रतिशत बढ़े

लखनऊ | कार्यालय संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय केन्द्रीयकृत प्रवेश प्रक्रिया के अन्तर्गत परास्नातक और परास्नातक प्रबन्धन के विषयों में छात्रों ने कोरोना महामारी एवं लाकडाउन होने के बावजूद बड़ी संख्या में आवेदन किए हैं। कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने बताया कि अभी स्नातक स्तर की परीक्षाओं पर शासन के निर्देशानुसार निर्णय होगा तो यह संख्या और बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि इसका कारण विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग में विश्विद्यालय की बढ़ती उपस्थिति और रैंकिंग है। उन्होंने कहा कि अकादमिक सत्र 2020-21 में लखनऊ विश्वविद्यालय ने परास्नातक स्तर पर नई शिक्षा नीति 2020 के आलोक में अपने पूरे पाठ्यक्रम को चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम आधारित बनाया है। पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में लगभग 58 प्रतिशत अधिक अभ्यर्थियों ने परास्नातक के विभिन्न विषयों के लिए आवेदन किया है। पिछले वर्ष इस अवधि तक परास्नातक में 8822 आवेदन प्राप्त हुए थे जबकि इस वर्ष कोरोना लॉकडाउन के बावजूद 13963 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं । सबसे अधिक आवेदन एलएलबी विषय में प्राप्त हुए हैं। विश्वविद्यालय ने आवेदन की तिथि 30 जून तक बढ़ा दी है।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

पीजी में 13 हजार से अधिक आवेदन

लखनऊ विश्वविद्यालय ने 30 जून तक बढ़ाई आवेदन की तिथि

माई सिटी रिपोर्टर

8800 आवेदन पिछले साल अब तक आए थे

लखनऊ। कोरोना महामारी के बावजूद लखनऊ विश्वविद्यालय में प्रवेश आवेदन की स्थिति अन्य संस्थानों की अपेक्षा बेहतर है। यहां पीजी में अब तक 13,963 आवेदन आ चुके हैं, जो पिछले साल सिर्फ 8,822 आए थे। पीजी में सर्वाधिक आवेदन लॉ में आए हैं जबकि आवेदन तिथि 30 जून तक बढ़ा दी गई है। विवि में केंद्रीयकृत प्रवेश प्रक्रिया के तहत परास्नातक और परास्नातक प्रबंधन के विषयों में आवेदन लिए जा रहे हैं।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि अभी स्नातक स्तर की परीक्षाओं पर निर्णय शासन के निर्देशानुसार होगा, जिसके बाद आवेदन की यह संख्या और बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि लखनऊ विश्वविद्यालय को हाल में विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में अच्छा स्थान मिला है। अकादमिक सत्र 2020-21 में परास्नातक स्तर पर नई शिक्षा नीति लागू की है और अपने पूरे पाठ्यक्रम को चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम आधारित बनाया है। अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप नए पाठ्यक्रम में अंतर विषयी व क्रेडिट ट्रांसफर की सुविधा भी उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि सभी पाठ्यक्रम को समीचीन तथा सामाजिक हितों के अनुरूप बनाया गया। साथ ही सभी विषयों में इंटर्नशिप व डिजरटेशन प्रोजेक्ट को भी शामिल किया गया है। इसी सब के परिणामस्वरूप विद्यार्थियों ने उच्च शिक्षा के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय को प्राथमिकता दे रहे है। प्रो. राय ने कहा कि पिछले वर्ष की इस समय की तुलना में लगभग 58% अधिक अभ्यर्थियों ने परास्नातक के विभिन्न विषयों के लिए आवेदन किया है। अभी यह संख्या और बढ़ेगी।

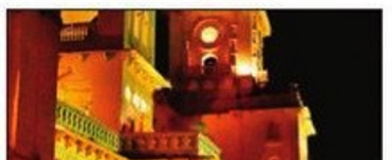

डॉ. वरुण आरटीआई सेल के निदेशक

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में विधि विभाग के डॉ. वरुण छांछर को आरटीआई सेल का निदेशक बनाया गया है। रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार सिंह की ओर से जारी सूचना के अनुसार कार्य परिषद के अनुमोदन के बाद यह तैनाती की गई है। (माई सिटी रिपोर्टर)

i-NEXT PAGE 4

इस बार 58 फीसद अधिक आवेदन

LUCKNOW (1 June inext): लखनऊ विश्वविद्यालय के विभिन्न परास्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए अभ्यर्थियों का रुझान बढ़ रहा है. लॉकडाउन के दौरान पिछले साल 31 मई तक 8,822 आवेदन आए थे. इस बार यह आंकड़ा 13,963 पहुंच गया है. सबसे अधिक आवेदन एलएलबी में आए हैं. अभी यूजी, पीजी सहित सभी पाठ्यक्रमों में आवेदन के लिए 30 जून तक मौका है. इससे यह संख्या और बढ़ेगी. कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि लविवि केंद्रीयकृत प्रवेश प्रक्रिया के अंतर्गत परास्नातक और परास्नातक प्रबंधन के विषयों में छात्रों ने महामारी के बावजूद बड़ी संख्या में आवेदन किए हैं. अभी स्नातक स्तर की परीक्षाओं पर शासन का निर्देशानुसार परीक्षा पर निर्णय होगा तो यह संख्या और भी बढ़ेगी.

PIONEER PAGE 4

कोरोना के चलते लखनऊ विश्वविद्यालय के पीजी कोर्सों में रिकॉर्ड आवेदन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर में स्नातक व परास्नातक कोर्सों में प्रवेश को लेकर अभिभावक अपने बच्चों को बाहर भेजने के बजाय स्थानीय व प्रांतीय स्तर के उच्च शैक्षिक संस्थानों को तरजीह दी रहे हैं। जिसका परिणाम है कि लखनऊ विश्वविद्यालय में पिछली बार की अपेक्षा इस बार अब तक रिकार्ड आवेदन हुए हैं। जबकि अभी आवेदन की तिथि 30 जून तक है।

विवि के प्रो आलोक कुमार राय ने बताया कि अभी स्नातक स्तर की परीक्षाओं पर शासन का निर्देशानुसार परीक्षा पर निर्णय होगा तो यह संख्या और बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि इसका कारण विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग में विश्विद्यालय की बढ़ती उपस्थिति व रैंकिंग तथा अकादमिक सत्र 2020-21 में लखनऊ विश्वविद्यालय ने परास्नातक स्तर पर नई शिक्षा नीति 2020 के आलोक में अपने पूरे पाठ्यक्रम को चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम आधारित बनाया है। अंतराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप इस नए पाठ्यक्रम में अंतरविषयी व अन्तराविषयी क्रेडिट ट्रांसफर की सुविधा भी उपलब्ध है। सभी पाठ्यक्रम को समीचीन तथा सामाजिक हितों के अनुरूप बनाया गया। साथ ही साथ सभी विषयों में इंटर्नशिप कार्यक्रम व डीजरटेशन प्रोजेक्ट को भी अनिवार्य भाग बनाया गया है। विवि के प्रवक्ता प्रो दुर्गेश श्रीवास्तव के मुताबिक केन्द्रीयकृत प्रवेश प्रक्रिया के अन्तर्गत परास्नातक और परास्नातक प्रबन्धन के विषयों में छात्रों ने कोरोना महामारी एवं लाकडाउन होने के बावजूद बड़ी संख्या में आवेदन किए हैं। यह विश्वविद्यालय की साख और विश्वविद्यालय के उत्तरोत्तर अकादमिक विकास का परिचायक है। इसी सब के परिणामस्वरूप विद्यार्थियों ने उच्च शिक्षा के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय को प्राथमिकता दी है। पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में लगभग 58 प्रतिशत अधिक अभ्यर्थियों ने परास्नातक के विभिन्न विषयों के लिए आवेदन किया है। पिछले वर्ष इस अवधि तक परास्नातक में 8822 आवेदन प्राप्त हुए थे जबकि इस वर्ष कोरोना लाकडाउन के बावजूद 13963 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। सबसे अधिक आवेदन एलएलबी विषय में प्राप्त हुए हैं। विश्वविद्यालय ने आवेदन की तिथि 30 जून तक बढ़ा दी है।

JAGRAN CITY PAGE I

प्रवेश प्रक्रिया में शामिल होने को 30 जून तक मौका

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने शैक्षिक सत्र 2021-22 में केंद्रीयकृत प्रवेश प्रक्रिया में शामिल होने के लिए कालेजों को तीसरा मौका दिया है। अब कालेज 30 जून तक निर्धारित शुल्क के साथ आवेदन कर सकते हैं।

लखनऊ में 174 और पिछले साल कानपुर विश्वविद्यालय से सम्बद्ध हरदोई, लखीमपुर खीरी, सीतापुर व रायबरेली कालेजों को मिलाकर 350 कालेज विवि से सम्बद्ध हैं। लविवि ने केंद्रीयकृत प्रवेश प्रक्रिया में शामिल होने के लिए आवेदन का मौका 31 मार्च तक दिया था। इस बार कालेजों को दो बार मौका दिए जाने के बाद भी मात्र 27 कालेजों ने ही आवेदन कर अपनी सहमति दी है। इसी बीच कोरोना की वजह से लाकडाउन हो गया। लिहाजा, लविवि ने कालेजों को 30 जून तक समय दिया है। प्रोफेशनल पाठ्यक्रम के लिए प्रति महाविद्यालय प्रति कोर्स शुल्क एक लाख रुपये और 18 फीसद जीएसटी होगा, जबकि सामान्य पाठ्यक्रम के लिए प्रति महाविद्यालय प्रति कोर्स का शुल्क 50 हजार रुपये व 18 फीसद जीएसटी है। विवि के कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह ने बताया कि अभी तक 27 कालेजों ने लविवि की केंद्रीयकृत प्रवेश प्रक्रिया में शामिल होने के लिए आवेदन किया है।

लखनऊ विश्वविद्यालय

- निर्धारित शुल्क के साथ आवेदन कर सकते हैं महाविद्यालय
- प्रति कोर्स शुल्क एक लाख और 18 फीसद लगेगा जीएसटी

आइटीआइ का संशोधित परिणाम घोषित

राष्ट्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीटी) भारत सरकार की ओर से रविवार को देर रात आइटीआइ परीक्षा का परिणाम घोषित हुआ तो उसमें गल्तियों का पिटारा भी खुल गया था। सोमवार को परिणाम वेबसाइट से हटाने के साथ ही संशोधित परिणाम मंगलवार को अपलोड किया गया। नए परिणाम में पूर्णांक को 200 से बढ़ाकर 250 कर दिया गया है। वर्ष 2018-20 सत्र की फरवरी से मार्च के बीच हुई आनलाइन परीक्षा के पहले घोषित परिणाम में 200 अंक के पेपर में विद्यार्थियों को 206 से लेकर 250 नंबर तक मिले थे। दैनिक जागरण ने अंकपत्र में गड़बड़ी की खबर सोमवार को प्रमुखता से प्रकाशित की थी। खबर के बाद एनसीवीटी ने आइटीआइ का परिणाम परिषद की वेबसाइट ncvtmis.gov.in से हटा लिया है। अब संशोधित परिणाम जारी होने से विद्यार्थियों ने राहत की सांस ली है। परिणाम वेबसाइट पर देखा जा सकता है। राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद के संयुक्त निदेशक एससी तिवारी ने बताया कि गड़बड़ी को दुरुस्त करा दिया गया, अभी परिणाम में गड़बड़ी की सूचना नहीं आई है।

पीजी में पिछले साल से 58 फीसद अधिक आवेदन

जासं, लखनऊ : लविवि के विभिन्न परास्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए अभ्यर्थियों का रुझान बढ़ रहा है। लाकडाउन के दौरान पिछले साल 31 मई तक आठ हजार 822 आवेदन आए थे, जबकि इस बार यह आंकड़ा 58 फीसद अधिक यानी 13 हजार 963 पहुंच गया है। सबसे अधिक आवेदन एलएलबी में आए हैं। अभी आवेदन के लिए 30 जून तक मौका है।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि अभी स्नातक स्तर की परीक्षाओं पर शासन के निर्देशानुसार परीक्षा पर निर्णय होगा तो यह संख्या और बढ़ेगी। इस कारण विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में विश्विद्यालय की बढ़ती उपस्थिति, रैंकिंग व पीजी पाठ्यक्रम को चॉइस बेस्ड क्रेडिड सिस्टम आधारित बनाया गया है। सभी विषयों में इंटर्नशिप कार्यक्रम व प्रोजेक्ट को भी अनिवार्य किया गया है।

RASHTRIYA SAHARA PAGE 5

परास्नातक प्रवेश के लिए भी फॉर्म भरने की तिथि बढ़ी

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय केन्द्रीयकृत प्रवेश प्रक्रिया के अन्तर्गत परास्नातक और परास्नातक प्रवन्धन के विषयों में छात्रों ने कोरोना

महामारी एवं लाकडाउन होने के वावजूद वड़ी संख्या में आवेदन किए हैं। पिछले वर्ष इसी अवधि की तुलना में लगभग 58 प्रतिशत अधिक अभ्यर्थियों ने परास्नातक के विभिन्न विषयों के लिए आवेदन किया है । पिछले वर्ष इस अवधि तक परास्नातक में 8822 आवेदन प्राप्त हुए थे जवकि इस वर्ष कोरोना लाकडाउन के वावजूद 13963 आवेदन प्राप्त हो चुके है । सवसे अधिक आवेदन एलएलवी विषय में प्राप्त हुए है। विश्वविद्यालय ने आवेदन की तिथि 30 जून तक वढ़ा दी है। विवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने वताया कि स्नातक स्तर की परीक्षाओं पर शासन के निर्णय के वाद यह संख्या और वढ़ेगी।

FIRST INDIA PAGE 3

Despite pandemic, LU flooded with applications for UG and PG courses

First India Bureau

Lucknow: In a positive sign, Lucknow University has said that it has received a large number of applications for various Masters (PG) and Masters Management (PG Management) courses despite the corona epidemic and lockdown.

Lucknow University Vice Chancellor Prof Alok Kumar Rai has said if a decision is reached by the government on the graduation level examinations, then these number can increase even further. He added that the reason for increased applications is due to increase in the ranking of the university in various national and international rankings and due to Lucknow University shifting its entire curriculum based on the choice-based credit system for post graduate level courses for the academic session 2020-21. He further added that the facility of interdisciplinary and interdisciplinary credit transfer is also available in this new course as per the international standards.

LU has received 13,963 applications for various subjects of PG courses and most students have applied for LLB course